1. एक दूसरे पर निर्भर

किशन का अकेलापन

क्या तुम कभी अपने घर पर बिल्कुल अकेले रहे हो? याद करो कैसा लगा था। एक दिन की बात अलग है, पर सोचो क्या कोई कई दिनों तक बिल्कुल अकेला रह सकता है?

चलो एक ऐसे व्यक्ति के बारे में पढ़ते हैं, जो बिल्कुल ही अकेला रहता था। नाम था उसका किशन। वह मिट्टी के बर्तन बनाता था। वह किशनपुर गांव का रहने वाला था। न तो उसके मां-बाप

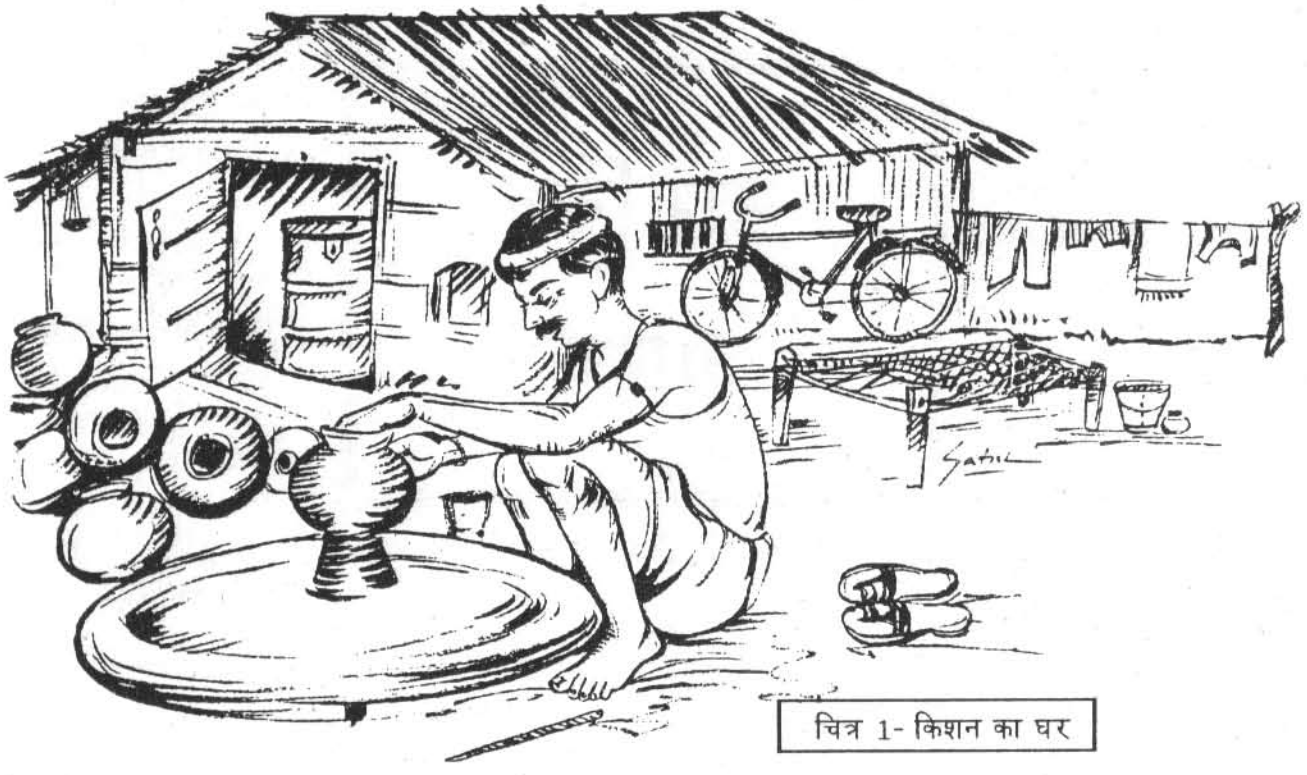

चित्र 1- किशन का घर

थे, न भाई-बहन और न पत्नी-बच्चे। बस. बिल्कुल ही अकेला रहता था और अपना सब काम खुद ही करता था।

सुबह-सुबह उठकर किशन लकड़ी काटने जंगल जाता। लकड़ी लाकर नदी चला जाता। कपड़े धोता, नहाता और पानी भरकर घर ले आता। घर पर चूल्हा जलाकर अपना खाना बनाता। खा-पीकर वह दिन भर अपने काम में लग जाता और मटके बनाता रहता।

बुधवार के दिन वह हाट-बाज़ार में बर्तन बेचने जाता। जो पैसे मिलते, उससे अपनी ज़रूरत की चीज़ें, जैसे अनाज, कपड़ा, मिर्च-मसाला, जूते आदि खरीदकर घर लौटता। भोजन करने के बाद खाट बिछाकर सो जाता। खाट पर पड़े हुए कभी-कभी सोचता, "मैं कितना सुखी हूं, अकेले ही अपना सब काम कर लेता हूं। अपनी ज़रूरतें पूरी कर लेता हूं। मुझे किसी पर **निर्भर** (यानी किसी के सहारे) नहीं रहना पड़ता।"

किशन को क्यों लगता था कि वह दूसरों पर निर्भर नहीं है?

तुम खाना बनाने और पढ़ाई के लिए किस पर निर्भर हो?

एक दिन किशन बीमार पड़ गया। उसे बहुत तेज़ बुखार चढ़ा। अब वह एकदम अकेला महसूस करने लगा। वह सोचने लगा, "कोई साथ होता तो कम से कम मेरी देखभाल करता।" आखिर उसे वैद्य के पास जाना ही पड़ा। वैद्य ने उसे दवा दी। किशन ने वैद्य से कहा "मैं तो सोचा करता था कि मैं कितना सुखी हूं, मुझे किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। पर आज मैं अपने अकेलेपन से परेशान हो गया।"

वैद्य ने जवाब दिया, "तुम अकेले रहते हो, फिर भी तुम कई लोगों पर निर्भर हो।" किशन ने चौंककर पूछा, "यह कैसे हो सकता है? मैं तो अपने सब काम खुद कर लेता हूं।" वैद्य ने पूछा, "तुम जो चीज़ें उपयोग करते हो क्या वे सभी चीज़ें तुम खुद बनाते हो?"

किशन सोच में पड़ गया। वह सोचने लगा, "ऐसी तो कई चीज़ें हैं जो मैं दूसरों से खरीदता हूं। मैं अपनी ज़रूरत की सारी चीज़ें खुद नहीं बनाता हूं।"

पृष्ठ 100 पर किशन के घर का चित्र दिया हुआ है। इस चित्र को ध्यान से देखकर बताओ कि किशन क्या-क्या चीज़ें इस्तेमाल करता है?

चर्चा करो कि ऐसी कौन सी चीज़ें हैं जो किशन खुद नहीं बनाता है? ये चीज़ें किसके द्वारा बनाई या उगाई जाती हैं?

इनमें से दो ऐसे शब्द चुनों जिनका अर्थ निर्भर से मिलता-जुलता है :

मिलकर, सहारा, मेहनत, स्वतंत्र, आसरा।

किशन अकेला रहता है, फिर भी बहुत लोगों पर निर्भर है। ये लोग उसकी ज़रूरत की चीज़ें उगाते या बनाते हैं, जैसे खाने के लिए अनाज, सब्ज़ी, पहनने को कपड़ा आदि। वह वैद्य पर भी निर्भर है जो उसका इलाज करता है।

आपस में चर्चा करके श्यामपट पर सूची बनाओ।

क. ऐसे कामों के उदाहरण दो जिन के लिए तुम दूसरों पर निर्भर हो।

ख. ऐसी चीजों के उदाहरण दो जिनके लिए तुम दूसरों पर निर्भर हो।

ग. ऐसे कौन से काम हैं जो तुम खुद करते हो?

घ. क्या ऐसी कोई भी वस्तु है जिसके लिए तुम या तुम्हारा परिवार दूसरों पर निर्भर नहीं है?

गांव-शहर एक दूसरे पर निर्भर

अभी तक तुमने पढ़ा है कि कैसे किशन दूसरे लोगों पर निर्भर है। ठीक इसी तरह हर व्यक्ति दूसरों पर निर्भर रहता है।

लोग गांवों या शहरों में रहते हैं। गांव में रहने वाले लोग शहरों पर निर्भर हैं। उसी तरह शहर में रहने वाले लोग गांवों पर निर्भर हैं।

नीचें के चित्र में दिखाया गया है कि वस्तुएं कहां से कहां जा रही हैं। एक जगह का नाम है कोलीखेड़ा और दूसरी जगह का नाम है खैरतगढ़। चित्र में दिखाया गया है कि कुछ चीज़ें कोलीखेड़ा से खैरतगढ़ पहुंचाई जा रही हैं। उसी तरह खैरतगढ़ से भी कुछ चीज़ें कोलीखेड़ा पहुंचाई जा रही हैं।

चित्र देख कर इन प्रश्नों के उत्तर दो–

(क) ऐसी दो चीज़ों के नाम बताओ जो कोलीखेड़ा से खैरतगढ़ ले जाई जाती हैं?

(ख) ऐसी दो चीज़ों के नाम बताओ जो खैरतगढ़ से कोलीखेड़ा ले जाई जाती हैं?

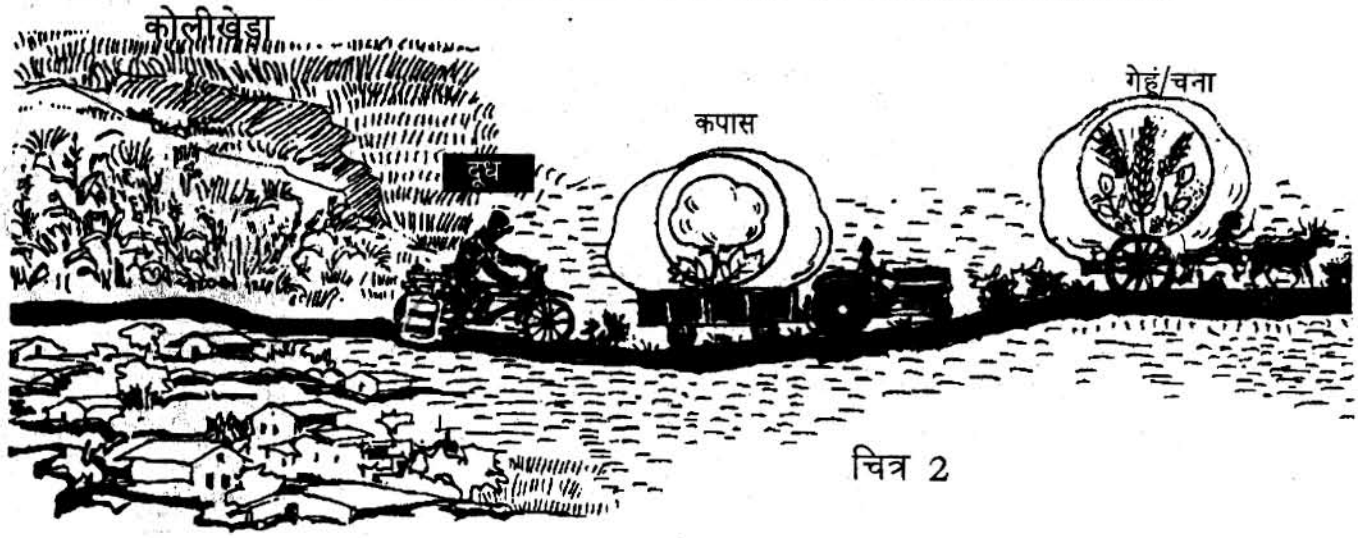

चित्र 2

(ग) सही/गलत बताओ:–

1. खैरतगढ़ से गेहूं कोलीखेड़ा जाता है।

2. कोलीखेड़ा से साइकिल खैरतगढ़ ले जाई जाती है।

3. कोलीखेड़ा में कपड़ा खैरतगढ़ से आता है।

4. कोलीखेड़ा से कपास खैरतगढ़ जाता है।

5. खैरतगढ़ चने के लिए कोलीखेड़ा पर निर्भर है।

6. कोलीखेड़ा हल्दी के लिए खैरतगढ़ पर निर्भर है।

7. खैरतगढ़ साइकिल के लिए कोलीखेड़ा पर निर्भर है।

8. कोलीखेड़ा गेहूं के लिए खैरतगढ़ पर निर्भर है।

9. खैरतगढ़ बर्तन के लिए कोलीखेड़ा पर निर्भर है।

तुम कोलीखेड़ा से खैरतगढ़ जाने वाली चीज़ों की सूची देखकर समझ गए होंगे कि कोलीखेड़ा किसी गांव का नाम है। यहां से बाहर जाने वाली चीज़ें खेतों में उगाई जाती हैं। अनाज, कपास, सब्ज़ी जैसी चीज़ें खेतों में होती हैं। उसी तरह खैरतगढ़ से कोलीखेड़ा जाने वाली अधिकतर चीज़ें कारखाने में बनाई गई हैं। इससे अन्दाज़ होता है कि खैरतगढ़ एक शहर है क्योंकि कारखाने ज़्यादातर शहरों में या उनके आसपास लगाए जाते हैं।

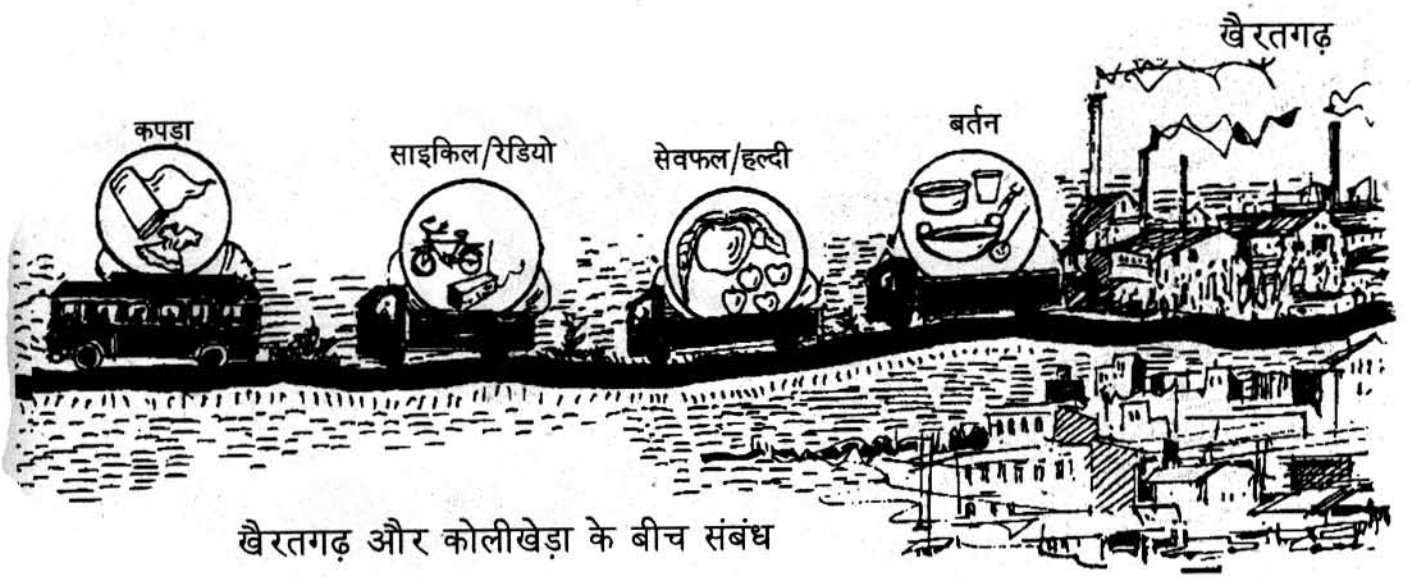

खैरतगढ़ और कोलीखेड़ा के बीच संबंध

तुम्हारे शहर में गांवों से क्या-क्या बिकने आता है?

तुम्हारे गांव में शहर से क्या-क्या चीज़ें लाई जाती हैं।

एक इलाका अन्य इलाकों पर निर्भर

कोलीखेड़ा और खैरतगढ़ के उदाहरण में तुमने गांव और शहर के बीच संबंध देखा। परन्तु कोलीखेड़ा और खैरतगढ़ में केवल एक गांव और एक शहर का संबंध नहीं है।

तुमने देखा कि कोलीखेड़ा गांव के लोगों के लिए बहुत सी चीज़ें खैरतगढ़ शहर से आती हैं। पर क्या वे सब चीज़ें खैरतगढ़ में बनती हैं?

खैरतगढ़ से जो सामान कोलीखेड़ा जाता है वह सब खैरतगढ़ में नहीं बनाया जाता है। जैसा कि तुम इस चित्र में देख सकते हो, खैरतगढ़ में साइकिल और बर्तन बनाए जाते हैं। इनके अलावा कई दूसरी चीज़ें बाहर से आती हैं।

ये सब चीज़ें अलग-अलग **इलाकों** से खैरतगढ़ पहुंचती हैं। फिर वहां से कोलीखेड़ा व दूसरे गांवों तक ले जाई जाती हैं। इस तरह एक जगह बहुत दूर-दूर के इलाकों से जुड़ जाती है।

चित्र 3. खैरतगढ़ का अन्य इलाकों के साथ संबंध

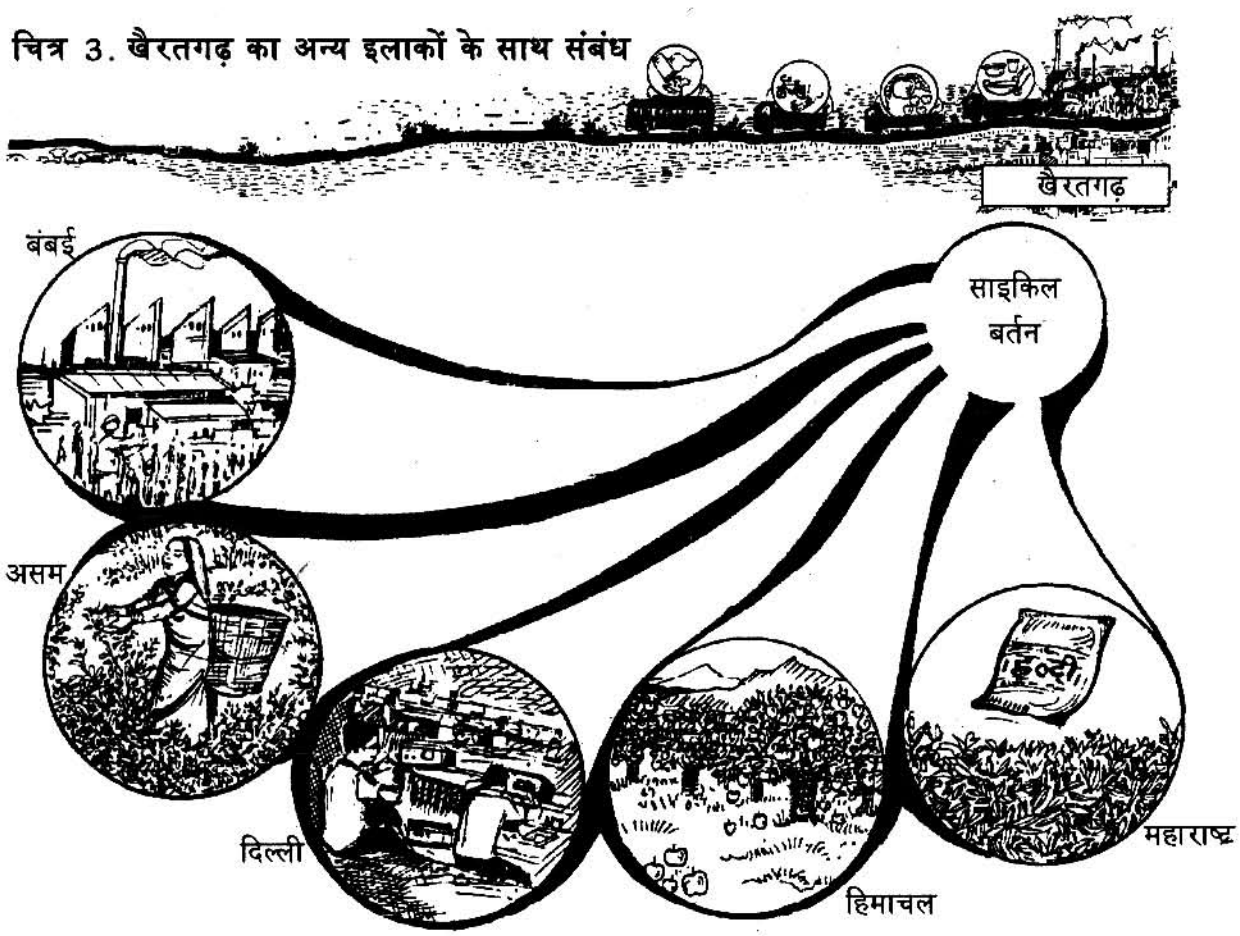

चित्र 3 में देखकर बताओ कि खैरतगढ़ में असम से क्या आता है?

खैरतगढ़ में सेबफल कहां से आता है?

खैरतगढ़ से जो सामान कोलीखेड़ा ले जाया जाता है, वह कहां-कहां से आता है?

एक इलाका दूसरे इलाकों पर निर्भर है, इस बात को तुम अपने गांव या शहर के अनुभव से भी समझ सकते हो।

नीचे कुछ वस्तुओं की सूची दी है। अपने शिक्षक की सहायता से इन प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखो:–

सूची – नारियल, माचिस, मटका, सुपारी, नमक, आलू, थ्रेशर, साइकिल, बीड़ी, तुअर, सीमेन्ट, नींबू, खाद, बिजली, हल्दी, चूना, कपड़ा, डीज़ल, गेहूं, गुड़, शक्कर, मिर्ची, पान का पत्ता।

(क) सूची से छांटकर उन चीज़ों के नाम लिखो जो तुम्हारे गांव/शहर या उसके आसपास बनती या उगाई जाती हैं।

(ख) नीचे दी गई तालिका में केवल उन चीज़ों के नाम भरो जो तुम्हारे इलाके के बाहर से आती हैं। हर वस्तु के आगे किसी एक इलाके का नाम लिखो जहां वह बनती या उगाई जाती है।

तुम्हारे इलाके का दूसरे इलाकों के साथ संबंध

वस्तुएं जो तुम्हारे इलाके के बाहर से आती हैं।	*कहां बनती या ऊगाई जाती है।*

एक इलाका अन्य इलाकों पर निर्भर होता है क्योंकि किसी एक इलाके में सभी प्रकार की चीज़ें नहीं होतीं। जैसे किसी एक इलाके में सभी प्रकार की फसलें नहीं उगाई जाती हैं। कुछ इलाकों की मुख्य फसल चावल है तो कहीं और मुख्य फसल गेहूं है। कहीं पर आम होते हैं तो कहीं पर सेवफल ।

इसी तरह सभी प्रकार की चीज़ें एक ही जगह नहीं बनाई जाती हैं। कहीं कपड़ा बनाने के कारखाने हैं, कहीं साबुन बनाने के और कहीं खाद बनता है। अलग-अलग इलाकों या क्षेत्रों में अलग-अलग वस्तुएं बनाई जाती हैं। इसलिए दूसरे इलाकों से चीज़ें मंगवाने की ज़रूरत होती है। इस तरह से एक इलाका दूसरे इलाके पर निर्भर हो जाता है।

एक दूसरे पर निर्भर

तुमने देखा कि हम कई प्रकार से एक दूसरे पर निर्भर हैं। जो व्यक्ति गांव में रहता है वह कुछ चीज़ों के लिए शहर पर निर्भर हो जाता है। इसी तरह जो व्यक्ति शहर में रहता है वह कुछ चीज़ों के लिए गांव पर निर्भर हो जाता है। गांव से कई चीज़ें शहर पहुंचती हैं और शहर से कई चीज़ें गांव पहुंचती हैं।

इसी प्रकार अगर कोई व्यक्ति किसी इलाके या क्षेत्र में रहता है तो वह दूसरे इलाकों पर निर्भर रहता है। किसी भी इलाके में सभी प्रकार की वस्तुएं नहीं बनाई या उगाई जाती हैं। इसलिए कई चीज़ें दूसरे इलाकों से मंगवानी पड़ती हैं। इस कारण एक इलाका दूसरे पर निर्भर हो जाता है।

इतनी तरह से निर्भर होने के कारण हम एक दूसरे से कई प्रकार से जुड़े हुए हैं। एक दूसरे पर निर्भर होने की बात तुम कई पाठों में पढ़ोगे। भूगोल के पाठों में पढ़ोगे किसी क्षेत्र या इलाके की क्या **विशेष** बात है जिस के कारण कुछ चीज़ें वहां उगाई जाती हैं और इनका दूसरे इलाकों के साथ क्या लेन-देन होता है। इतिहास में पढ़ोगे कि गांव व शहर पहले कैसे बने और उनके साथ चीज़ों का लेन-देन कैसे बढ़ता गया।

नागरिक शास्त्र के पाठों में पढ़ोगे कि आजकल व्यापारी कैसे एक जगह से दूसरी जगह सामान पहुंचाते हैं। हाट-बाज़ार और मण्डी में कैसे लेन-देन होता है। व्यापारियों द्वारा हम दूसरे लोगों से कैसे जुड़ जाते हैं और इसका क्या प्रभाव होता है।

अभ्यास के प्रश्न

1. किशन की तरह हम दूसरों पर कैसे निर्भर हैं?
2. क. गांव शहर एक दूसरे पर कैसे निर्भर हैं?
   ख. एक इलाका दूसरे इलाके पर कैसे निर्भर है?
3. चित्र देखकर बताओ कि कोलीखेड़ा जैसी जगह कई इलाकों से कैसे जुड़ी हुई है।
4. मानो एक दिन तुमने जो कपड़े पहने हैं वे बोल पड़े, "तुम्हें मालूम है कि हम तुम तक कैसे और किन लोगों की मेहनत से पहुंचे हैं? एक समय पर एक किसान ने अपने खेत में कपास बोया। फिर ——" इस कहानी को पूरा करो।
5. चित्र-2 देखो। सेवफल और हल्दी जैसी चीज़ें तो गांव में होती हैं। फिर वे कोलीखेड़ा गांव में क्यों नहीं होतीं?

6. नीचे दो जगहों की जानकारी दी गई है। उनके आधार पर चित्र-2 की तरह एक चित्र बनाओ।

नेरल और पाली के बीच संबंध

नेरल से पाली जाने वाली चीज़ें	पाली से नेरल जाने वाली चीज़ें
खाद	धान
बिजली-मोटर	केला
जूते	मसूर

7. क) क्या तुम्हारे यहां नीचे दी गई चीज़ें बाहर से बनकर आती हैं? तालिका भरो।

चीज़ें	कहां से बनकर आती हैं
अंग्रेजी कवेलू	
टाटपट्टी	
चाक	
आटा चक्की	
तुम्हारी पुस्तक	

ख) पता करो कि तुम्हारे इलायची, व लौंग कहां से आते है? जिन इलाकों में ये उगते हैं, क्या उन इलाकों की कोई विशेषता है?

8. प्रभातगढ़ शहर के बारे में यह जानकारी मिली है कि वहां बीड़ी बनाने के कई कारखाने हैं। प्लास्टिक के जूते भी वहां बनाए जाते हैं। वहां पर भवर तहसील के गांवों से रोज़ कई गाड़ियां सब्ज़ी भर के आती हैं। प्रभातगढ़ के बाज़ार में बिकने वाला खाद कोटा शहर के कारखानों से आता है। दूध के बड़े डिब्बे इंदौर से बन कर आते हैं। जिस प्रकार चित्र 3 में खैरतगढ़ के बारे में बताया है, उसी प्रकार इस जानकारी को चित्र द्वारा बताओ।

9. क्या तुम्हारे यहां ऐसी कोई उपज है या वस्तु बनती है जो दूर-दूर तक भेजी जाती है? तुम्हारे इलाके में क्या खास बात है जिस कारण यह चीज़ वहां होती है।